# भगवान् द्वारा दी गई साँस

जे किछु साँस रखैत अछि, से परमेश् वरक स्तुति करय। अहाँ सभ प्रभुक स्तुति करू। भजन 150:6

## पंचतंत्र

परमेश् वर परमेश् वर जमीनक धूरा सँ मनुष्य कैँ बनौलनि आ ओकर नाक मे जीवनक साँस देलनि। आ मनुष्य जीवित प्राणी बनि गेल। उत्पत्ति 2:7

हम, हम पृथ् वी पर पानिक बाढ़ि आनि कऽ स्वर्गक नीचाँ सँ सभ प्राणी कैँ नष्ट कऽ देब, जाहि मे जीवनक साँस अछि। पृथ् वी पर जे किछु अछि से मरि जायत। उत्पत्ति 6:17

ओ सभ दू-दू गोटेक संग जहाज मे नूह लग गेलाह, जाहि मे जीवनक साँस अछि। उत्पत्ति 7:15

जिनकर नाकक छेद मे जीवनक साँस छलैक, जे सब सुखायल भूमि मे छलैक, से सब मरि गेलैक। उत्पत्ति 7:22

मुदा एहि लोक सभक नगर सभ मे सँ जे अहाँ सभक परमेश् वर अहाँ कैँ उत्तराधिकारक रूप मे दैत छथि, अहाँ सभ साँस लेबय बला कोनो चीज कैँ जीवित नहि करब: व्यवस्था 20:16

## इतिहास

तखन यहोशू पहाड़ी, दक्षिण, घाटी, झरना आ ओकर सभ राजा सभ कैँ मारि देलथिन। यहोशू 10:40

ओ सभ ओहि मे रहनिहार सभ प्राणी कैँ तलवारक धार सँ मारि देलक आ ओकरा सभ कैँ एकदम सँ नष्ट कऽ देलक। एहि नगर सभक सभटा लूट आ पशु-पक्षी, इस्राएलक लोक सभ अपना लेल लूट लेलक। मुदा ओ सभ एक-एक गोटे कैँ तलवारक धार सँ मारि देलक, जाबत धरि ओकरा सभ कैँ नष्ट नहि क' देलक, आ ने ककरो साँस लेबाक लेल छोड़ि देलक। यहोशू ११:११,१४

समुद्रक नाला सभ प्रकट भेल, संसारक नींव सभ परमेश् वरक डाँट-फटकार आ नाकक साँसक धमाका पर पता चलल। 2 शमूएल 22:16

जखन ओ राजा भेलाह तखन ओ यारोबामक समस्त घराना कैँ मारि देलनि। ओ यारोबाम कैँ साँस लेनिहार कैँ ताबत धरि नहि छोड़ि देलक, जाबत धरि ओ ओकरा नष्ट नहि क' देलक, जेना कि ओ अपन सेवक अहिया शिलोनी द्वारा कहल गेल छल: 1 राजा 15:29

एहि बातक बाद घरक मालकिन स् त्रीक बेटा बीमार पड़ि गेल। हुनकर बीमारी एतेक बेसी छलनि जे हुनका मे कोनो साँस नहि बचल छलनि। १ राजा १७:१७

# शायरी

परमेश् वरक धमाका सँ ओ सभ नष्ट भऽ जाइत छथि आ हुनकर नाकक साँस सँ ओ सभ भस्म भऽ जाइत छथि। अय्यूब 4:9

ओ हमरा साँस लेबय नहि देथिन, मुदा हमरा कटुता सँ भरि दैत छथि। अय्यूब 9:18

जकर हाथ मे सभ जीवक आत्मा अछि, आ समस्त मनुष्यक साँस अछि। अय्यूब 12:10

ओ अन्हार मे सँ नहि निकलत। लौ ओकर डारि सुखायत आ मुँहक साँस सँ ओ चलि जायत। अय्यूब १५:३०

हमर साँस भ्रष्ट अछि, हमर दिन विलुप्त अछि, कब्र हमरा लेल तैयार अछि। अय्यूब 17:1

हमर साँस पत्नी लेल अजीब अछि, यद्यपि हम अपनहि शरीरक लेल बच्चा सभक लेल निहोरा केलहुँ। अय्यूब 19:17

एतेक दिन हमर साँस हमरा मे अछि आ परमेश् वरक आत् मा हमर नाकक छेद मे अछि। अय्यूब 27:3

परमेश् वरक आत् मा हमरा बनौलनि आ सर्वशक्तिमान परमेश् वरक साँस हमरा जीवन देलक। अय्यूब 33:4

जँ ओ मनुष् य पर अपन मोन राखि, जँ ओ अपन आत् मा आ अपन साँस अपना लग जमा करथि। अय्यूब 34:14

परमेश् वरक साँस सँ ठंढा पड़ि जाइत अछि आ पानिक चौड़ाई संकुचित भऽ जाइत अछि। अय्यूब 37:10

ओकर साँस कोयला जरा दैत छैक आ ओकर मुँह सँ लौ निकलि जाइत छैक। अय्यूब 41:21

तखन पानिक नाला सभ देखबा मे आयल, आ अहाँक डाँट पर संसारक नींव भेटल, हे परमेश् वर, अहाँक नाकक श्वासक झोंक पर। भजन 18:15

हमरा अपन शत्रु सभक इच्छा मे नहि छोड़ू, किएक तँ झूठ गवाह सभ हमरा विरुद्ध उठि गेल अछि आ जे क्रूरताक साँस छोड़ैत अछि। भजन 27:12

परमेश् वरक वचन सँ आकाश बनल छल। आ ओकर सभ सेना ओकर मुँहक साँस सँ। भजन 33:6

अहाँ अपन मुँह नुका लैत छी, ओ सभ घबराहटि मे अछि, अहाँ हुनका सभक साँस छीनि लैत छी, ओ सभ मरि जाइत अछि आ अपन धूरा मे घुरि जाइत अछि। भजन 104:29

कान छै, मुदा सुनै नै छै। आ ने मुँह मे कोनो साँस। भजन 135:17

ओकर साँस निकलैत छैक, ओ अपन धरती पर घुरि जाइत छैक। ओही दिन ओकर विचार नष्ट भ' जाइत छैक। भजन 146:4

जे किछु साँस रखैत अछि, से परमेश् वरक स्तुति करय। अहाँ सभ प्रभुक स्तुति करू। भजन 150:6

किएक तँ जे मनुष् यक पुत्र सभक संग होइत छैक से पशु-पक्ष पर होइत छैक। एकटा बात हुनका सभक संग होइत छनि। हँ, हुनका सभक एके साँस छनि; एहि तरहेँ मनुखक पशुसँ बेसी कोनो आधिपत्य नहि होइत छैक, किएक तँ सभ किछु व्यर्थ अछि। उपदेशक 3:19

# भविष्यवाणी

अहाँ सभ मनुख सँ रुकू, जकर साँस ओकर नाकक छेद मे अछि, किएक तँ ओकरा कोन तरहेँ हिसाब लगाओल जेबाक चाही? यशायाह 2:22

मुदा ओ गरीबक न् याय धार्मिकताक संग करत आ पृथ् वीक नम्र लोकक लेल न्यायपूर्वक डाँटत। यशायाह ११:४

ओकर साँस उमड़ैत धार जकाँ गर्दनक बीचोबीच पहुँचि जेतै जे राष्ट्र सभ केँ व्यर्थक छलनी सँ छानब। किएक तँ टोफेत पहिने सँ नियुक्त भेल छथि। हँ, राजाक लेल ई तैयार कयल गेल अछि। ओ ओकरा गहींर आ पैघ बना देने अछि, ओकर ढेर आगि आ बहुत लकड़ी अछि। परमेश् वरक साँस गंधकक धार जकाँ ओकरा जरा दैत अछि। यशायाह ३०:२८,३३

अहाँ सभ भूसाक गर्भ मे रहब, ठूंठ पैदा करब, अहाँक साँस आगि जकाँ अहाँ सभ केँ भस्म कऽ लेत। यशायाह 33:11

परमेश् वर परमेश् वर ई कहैत छथि जे आकाश केँ सृजित कयलनि आ ओकरा पसरलनि। जे पृथ् वी केँ पसरैत अछि आ ओहि मे सँ निकलय बला बात। जे एहि पर लोक सभ केँ साँस दैत अछि, आ ओहि मे चलयवला केँ आत् मा दैत अछि: यशायाह 42:5

प्रत्येक मनुष्य अपन ज्ञान मे क्रूर अछि, प्रत्येक संस्थापक उकेरल मूर्ति सँ भ्रमित होइत अछि, कारण ओकर पिघलल मूर्ति झूठ अछि, आ ओकरा मे कोनो साँस नहि अछि। यिर्मयाह 10:14

प्रत्येक मनुष्य अपन ज्ञान सँ क्रूर होइत अछि; हर संस्थापक उकेरल मूर्ति सँ भ्रमित भ' जाइत अछि, कारण ओकर पिघलल मूर्ति झूठ अछि, आ ओकरा मे कोनो साँस नहि छैक। यिर्मयाह 51:17

अहाँ हमर आवाज सुनलहुँ, हमर साँस, हमर चीत्कार पर अपन कान नहि नुकाउ। विलाप 3:56

परमेश् वरक अभिषिक्त सभ हमरा सभक नाकक साँस हुनका सभक गड्ढा मे डूबि गेल छल, जकरा बारे मे हम सभ कहैत छलहुँ जे, "हम सभ हुनकर छाया मे रहब।" विलाप 4:20

प्रभु परमेश् वर एहि हड्डी सभ केँ ई कहैत छथि। देखू, हम अहाँ सभ मे साँस घुसा देब आ अहाँ सभ जीवित रहब। अहाँ सभ बुझि जायब जे हम परमेश् वर छी।" प्रभु परमेश् वर एहि हड्डी सभ केँ ई कहैत छथि। देखू, हम अहाँ सभ मे साँस घुसा देब आ अहाँ सभ जीवित रहब। तखन ओ हमरा कहलथिन, "हे मनुष् य-पुत्र, हवा केँ भविष्यवाणी करू, भविष्यवाणी करू आ हवा केँ कहू, 'प्रभु परमेश् वर ई कहैत छथि। हे साँस, चारू हवा सँ आबि, एहि मारल गेल सभ पर साँस लिअ, जाहि सँ ओ सभ जीवित रहय। हम हुनकर आज्ञाक अनुसार

भविष्यवाणी केलहुँ, आ हुनका सभ मे साँस आबि गेलनि, आ ओ सभ जीवित भ’ गेलाह आ अपन पएर पर ठाढ़ भ’ गेलाह, एकटा अत्यंत पैघ सेना। इजकिएल 37:5-10

मुदा स्‍वर्गक प्रभुक विरुद्ध अपना केँ उठौने छी। ओ सभ हुनकर घरक बर्तन सभ केँ अहाँक सोझाँ अनने छथि, आ अहाँ, अहाँक मालिक सभ, अहाँक पत्नी सभ आ अहाँक उपपत्नी सभ ओहि मे शराब पीबि लेलहुँ। आ अहाँ चानी, सोना, पीतल, लोहा, लकड़ी आ पाथरक देवता सभक स्तुति केलहुँ, जे नहि देखैत अछि, नहि सुनैत अछि, आ नहि जनैत अछि, आ अहाँ ओहि परमेश्‍वरक स्तुति केलहुँ, जिनकर हाथ मे अहाँक साँस अछि, आ जिनकर हाथ मे अहाँक सभ बाट अछि, अहाँ हुनकर महिमा नहि केलहुँ: दानियल 5:23

कारण, एहि हमर प्रभुक सेवक एहि हमर प्रभुक संग कोना गप्प क’ सकैत अछि? हम तऽ तुरन्त हमरा मे कोनो शक्ति नहि रहि गेल आ ने हमरा मे साँस बचल अछि। दानियल १०:१७

धिक्कार अछि जे लकड़ी केँ कहैत अछि जे जागू। गूंगा पाथर केँ, उठू, ई सिखाओत! देखू, सोना-चानी सँ ओढ़ल अछि, आ ओकर बीच मे कोनो साँस नहि अछि। हबक्कूक 2:19

# नया नियम

ई बात कहि कऽ ओ हुनका सभ पर साँस छोड़ि कहलथिन, “ पवित्र आत्‍मा ग्रहण करू।” यूहन्ना 20:22। ”

आरू साउल, तभियो प्रभु के चेला सिनी के खिलाफ धमकी आरू वध के साँस छोड़ी कॅ महापुरोहित के पास गेलै, प्रेरितों के काम 9:1

आ ने मनुष्‍यक हाथ सँ पूजल जाइत अछि जेना ओकरा कोनो वस्तुक आवश्यकता हो, किएक तँ ओ सभ केँ जीवन, साँस आ सभ किछु दैत अछि। प्रेरितों के काम 17:25

# एपोक्रिफा

आदम केँ बिना प्राणी देह देलनि, जे अहाँक हाथक कारीगरी छल, आ हुनका मे जीवनक साँस देलकनि आ ओ अहाँक समक्ष जीवित भ’ गेलाह। 2 एस्ड्रा 3:5

मुदा हम मात्र देखलहुँ जे ओ अपन मुँहसँ ओहिना पठा देलक जेना आगि केर धमाका भेल हो, आ ठोरसँ एकटा ज्वालामुखी साँस, आ जीहसँ चिंगारी आ तूफान निकालि देलक। ओ सभ एक संग मिलि गेल छल। आगि के धमाका, ज्वालामुखी साँस आ पैघ तूफान; जे भीड़ लड़ै लेली तैयार छेलै, ओकरा पर जोर-जोर सें गिरी गेलै आरो ओकरा सिनी कॅ एक-एक क जरा देलकै, जेकरा सें अचानक असंख्य भीड़ में सें कुछ भी पता नै चललै, सिवाय खाली धूल आरो धुँआ के गंध के। २ एस्ड्रा १३:१०-११

ओ मनुष्य बनौलनि, आ अपन हृदय केँ शरीरक बीच मे राखि देलनि, आ ओकरा साँस, जीवन आ समझ देलनि। २ एस्ड्रा १६:६१

कारण, हम सभ कोनो साहसिक काज मे जन्म लेने छी, आ बाद मे हम सभ एहन रहब जेना कहियो नहि भेल हो, कारण हमरा सभक नाकक छेद मे साँस धुँआ जकाँ अछि, आ हमर सभक हृदयक गति मे कनि चिंगारी अछि: सुलेमान 2:2

कारण ओ परमेश् वरक सामर्थ् यक साँस आ सर्वशक्तिमानक महिमा सँ बहय बला शुद्ध प्रभाव अछि। सुलेमान 7:25 के बुद्धि

आकि अनजान जंगली जानवर, क्रोध सँ भरल, नव सृष्टि, या तऽ आगि सन वाष्प, वा छिड़ियाएल धुँआक गंदा सुगंध कैँ साँस लैत, वा आँखि सँ भयावह चमक निकालैत: हँ, आ एहि सभक बिना ओ सभ एकहि विस्फोटक संग खसि पड़ितय, प्रतिशोधक सताओल गेल, आ अहाँक शक्तिक साँस मे छिड़िया गेल होयत सभ वस्तुक नाप आ संख्या आ वजन मे क्रमबद्ध कयलनि। सुलेमान के बुद्धि 11:18,20

जकर दर्शन मूर्ख सभ कैँ ओकर वासना करबाक लेल लोभबैत अछि, आ तैँ ओ सभ मृत मूर्तिक रूप चाहैत अछि, जकर साँस नहि अछि। किएक तँ ओ अपन निर्माता कैँ नहि चिन्हैत छलाह, आ जे हुनका मे सक्रिय आत्माक प्रेरणा देलनि, आ जीवित आत्मा मे साँस लैत छलाह। किएक तँ ओ सभ जाति-जातिक सभ मूर्ति कैँ देवता मानैत छलाह, जकरा देखबा मे ने आँखिक उपयोग होइत छैक, ने नाक सँ साँस लेबय मे, कान मे सुनबा मे, आ हाथक आँगुर सँ सम्हारबाक लेल। आ रहल पैरक तऽ ओ सभ मंद अछि। सुलेमान के बुद्धि 15:5,11,15

जा धरि अहाँ जीबैत छी आ अहाँ मे साँस अछि, ता धरि अपना कैँ ककरो हाथ मे नहि दियौक। उपदेशक 33:20

भट्ठी उड़ाबैत आदमी गर्मीक काज मे अछि, मुदा रौद पहाड़ कैँ तीन गुना बेसी जरा दैत अछि। आगि के वाष्प के साँस छोड़ि, आ चमकैत किरण के बाहर पठाबैत, आँखि के मद्धिम क दैत अछि। उपदेशक 43:4

जाहि चीज मे साँस नहि होइत छैक से सबसँ बेसी दाम पर कीनल जाइत छैक । यिर्मयाह 1:25 के पत्र

हम नहि कहि सकैत छी जे अहाँ सभ कोना हमर कोख मे आयल छी, किएक तँ हम अहाँ सभ कैँ ने साँस देलहुँ आ ने जीवन, आ ने हम अहाँ सभ मे सँ प्रत्येकक अंग बनौने रही। मुदा निस्संदेह संसारक सृष्टिकर्ता, जे मनुष्यक पीढ़ी बनौलनि, आ सभ वस्तुक आरंभक पता चललनि, सेहो अपन दया सँ अहाँ सभ कैँ फेर सँ साँस आ जीवन देथिन, जेना अहाँ सभ आब हुनकर नियमक लेल अपना कैँ नहि मानैत छी। 2 मक्काबली 7:22-23

मुदा ओ अपन डींग मारबा सँ किछुओ नहि रुकल, मुदा तइयो घमंड सँ भरल छल, यहूदी सभक विरुद्ध अपन क्रोध मे आगि कैँ साँस लैत छल आ यात्रा मे जल्दबाजी करबाक आज्ञा दैत छल। जाहि सँ घोर खसला सँ हुनकर शरीरक सभ अंग बहुत दर्द होइत छलनि। 2 मक्काबली 9:7

तइयो जखन हुनका भीतर एखनो साँस छलनि, ताबत क्रोध सँ प्रज्वलित भ' क' ओ उठि गेलाह। जँ ओकर खून पानिक टोंटी जकाँ बहैत छलैक आ ओकर घाव गंभीर छलैक, मुदा ओ भीड़क बीच मे दौड़ैत छलैक। आ एकटा खड़ा चट्टान पर ठाढ़, 2 मक्काबली 14:45

# हनोक

हम अपन नींद मे देखलहुँ जे आब हम मांसक जीह आ मुँहक साँस सँ की कहब, जे महान परमेश् वर मनुष् य कैँ एहि बात सँ गप्प-सप्प करबाक आ हृदय सँ बुझबाक लेल देने छथि। हनोक 14:2

आ हम धार्मिकता मे हाथ उठौलहुँ आ पवित्र आ महान कैँ आशीर्वाद देलहुँ, आ अपन मुँहक साँस सँ आ मांसक जीह सँ बजलहुँ, जे परमेश् वर मनुष्यक मांसक संतान सभक लेल बनौने छथि, जे ओ सभ एहि बात सँ बाजथि, आ ओ हुनका सभ कैँ साँस आ एकटा जीह आ मुँह देलनि जे ओ सभ ओहि सँ बाजथि: हनोक 84:1

ओ सभ जहिया सँ अस्तित्व मे आयल छल, सांसारिक भोजनक लेल तरसैत नहि छल, बल् कि सभ किछु केँ एकटा गुजरैत साँस बुझैत छल, आ तदनुसार जीबैत छल, आ प्रभु हुनका सभक बहुत परीक्षण कयलनि, आ हुनकर सभक आत्मा शुद्ध पाओल गेलनि जाहि सँ ओ सभ हुनकर नामक आशीर्वाद देथि। हनोक 108:9

# जशेर

परमेश् वर मनुख केँ जमीन सँ बनौलनि आ ओ ओकर नाकक छेद मे जीवनक साँस उड़ा देलनि आ मनुष्य वाणी सँ सम्पन्न जीवित प्राणी बनि गेल। याशेर १:२

आब उठू आ देखू जे अहाँक लेल हमर परेशानी कतेक कटु अछि हमर बेटा, यद्यपि हम अहाँक पालन-पोषण नहि केलहुँ, आ ने अहाँ केँ फैशन केलहुँ, आ ने अहाँ केँ साँस आ आत्मा देलियैक, मुदा ई भगवाने छलाह जे अहाँ केँ बनौलनि आ अहाँक हड्डी बनौलनि आ मांस सँ झाँपि देलनि, आ अहाँक नाक मे जीवनक साँस देलनि, आ तखन ओ अहाँ केँ हमरा देलनि। याशेर 43:28 के अनुसार

ओ प्रतिदिन जा कऽ गोशेन देश मे अबैत छलाह, जतय हुनकर भाय इस्राएली सभ छलाह, आ मूसा हुनका सभ केँ रोज-रोज साँस मे तकलीफ आ कठिन परिश्रम मे देखैत छलाह। जशेर 70:34 के समय

निश्चय ओ तोरा मायक कोख मे सृष्टि कऽ तोरा मे जीवनक साँस लगा देलक आ तोरा पालन-पोषण कऽ मिस्रक राजसिंहासन पर बैसा देलक आ तोहर साँस आ प्राण तोरा सँ छीन कऽ तोरा ओहि भूमि पर घुरि कऽ घुरि कऽ जतऽ सँ तोरा लऽ गेल छलहुँ। जशेर 79:50 बजे

# बाइबिल के खोया किताबें

कारण, ओ हृदयक विचार आ सलाहक खोज करयवला छथि। जिनकर साँस हमरा सभ मे अछि, आ जखन ओकरा नीक लागय तखन ओ हमरा सभ सँ ल' सकैत अछि। 1 क्लेमेंट कोरिन्थी 10:14 केँ

ओ ओकरा सभ केँ पतंग जकाँ मारि देलक, आ भोर सँ साँझ धरि ओ सभ सहन नहि करैत अछि। किएक तँ ओ सभ अपनाकेँ मदति नहि कऽ सकलाह, तेँ ओ सभ नष्ट भऽ गेलाह; ओ ओकरा सभ पर साँस लेलक आ ओ सभ मरि गेल, कारण ओकरा सभ मे कोनो बुद्धि नहि छलैक। 1 क्लेमेंट कोरिन्थी 18:7 केँ

एहि कारणेँ प्रभु अपन माथ पर मरहम ढारि देलनि। जाहि सँ ओ अपन मण् डली मे अमरताक साँस दऽ सकथि। इफिसियों 4:4 के इग्नेशियस के पत्र

# अदन के बिसरल किताब

तखन स्वर्गदूत परमेश् वर लग जा कऽ स्वागत कयलनि आ कहलथिन, “हे परमेश् वर, अहाँक प्राणी सभ अपन अंतिम साँस लेलक अछि।” 1 आदम आ हव्वाक किताब 10:2

मुदा भगवान् ओकरा आ ओकर दुर्दशा दिस तकलकै, आ ओकर अंतिम साँस लेबय बला छलैक। परमेश् वरक वचन स् वर्ग सँ आबि कऽ पानि मे सँ उठौलनि आ कहलथिन, “ऊँच तट पर चढ़ि हव्वा लग जाउ।” जखन ओ

हव्वा लग पहुँचलाह तखन हुनका कहलथिन, “अहाँ केँ के कहलक जे ‘एतय आबि जाउ’?” 1 आदम आ हव्वाक किताब 33:12

पाँचम दिन हम समुद्र केँ आज्ञा देलियनि जे ओ माछ, आ अनेक प्रकारक पंखबला चिड़ै, आ पृथ्वी पर रेंगैत सभ जानवर, चारि टांग पर धरती पर निकलैत, आ हवा मे उड़ैत, नर लिंग आ मादा, आ प्रत्येक आत्मा जीवनक आत्माक साँस लैत। साँझ भेल, छठम दिन भोर भेल। छठम दिन हम अपन बुद्धि केँ आज्ञा देलियनि जे मनुक्ख केँ सात स्थिरता सँ बनाबी: एकटा, ओकर मांस पृथ्वी सँ; दू, ओससँ ओकर खून; तीन, सूर्यसँ ओकर आँखि; चारि, ओकर हड्डी पाथरसँ; पाँच, स्वर्गदूत सभक तेज आ मेघ सँ ओकर बुद्धि; छह, पृथ्वीक घाससँ ओकर नस आ केश। सात, हमर साँससँ आ हवासँ ओकर आत्मा। हनोक 30:8-10 के रहस्य

आ हम हवाक विश्राम-स्थान लिखलहुँ आ देखलहुँ आ देखलहुँ जे कोना ओकर चाभी धारक तौल-तराजू आ नाप सहैत अछि; पहिने एक तौल-तराजू मे राखि दोसर मे तौल केँ धूर्तता सँ पूरा धरती पर बाहर छोड़ि दैत छल, जाहि सँ भारी साँस सँ धरती केँ हिल नहि जाय। हनोक 40:8 के रहस्य

प्रभु अनजान मे नींव राखि देलनि, आ आकाश केँ दृश्य आ अदृश्य पसारि देलनि। ओ धरती केँ पानि पर स्थिर कयलनि, आ अनगिनत प्राणीक निर्माण कयलनि, आ अनिश्चितक पानि आ नींव, वा पृथ्वीक धूरा, वा समुद्रक बालु, वा बरखाक बूंद, वा भोरक ओस, वा हवाक साँस के गिनती केने अछि? धरती-समुद्र के भरि देलक, आ अविच्छिन्न जाड़? हनोक 47:5 के रहस्य

कारण हर साँस लैत वस्तु ओकर महिमामंडन करैत छैक, आ हरेक प्राणी दृश्य आ अदृश्य ओकर प्रशंसा वापस करैत छैक | हनोक 51:6 के रहस्य

आ ने कोनो एहन चीज होयत जे बिना ज्ञानक साँस लैत अछि आ ने कोनो गूंगा, कारण ओ अपन सृष्टि केँ मुँह देने छथि, जे हुनका दिस मुँहक आवाज खोलथि, हुनकर स्तुति करथि, हुनकर सामर्थ्य केँ स्वीकार करू आ हुनकर कृपा देखाउ। हलेलुयाह। सुलेमान के ओड्स 7:26-28

परमेश् वर जे प्रेरणा हुनका सभ मे देलनि, ताहि सँ ओ सभ सत् य बजैत छलाह। हुनक नाम हलेलुयाह के प्रशंसा आ बहुत सुन्दरता। सुलेमान के ओड्स 18:19

चारू पैर एकहि शैली मे बनल छलैक, आ सब किछु एतेक कुशलतापूर्वक गढ़ल आ फिट कयल गेल छलैक, आ प्रकृतिक प्रति सच्चा बनेबा मे एतेक उल्लेखनीय कौशल आ ज्ञान खर्च कयल गेल छलैक जे जखन हवाक साँस सँ हवा हिलैत छलैक तखन पात मे गति भेटैत छलैक आ सब किछु वास्तविक यथार्थक अनुरूप फैशन कयल जाइत छलैक जकर प्रतिनिधित्व ओ करैत छलैक | अरिस्टियस के पत्र 3:39

पसीना ओकर भौंह पर ठाढ़ छलैक, आ ओ कठोर हांफैत अपन साँस खींचलक, जाबत ओकर आत्माक कुलीनता स्वयं ओकर सताबैबला लोकनिक प्रशंसा नहि लेलक। 4 मक्काबली 3:7

आ एहि तरहें साँस आ शरीरक पीड़ा मे ओ उद्घोष केलनि, गौरवशाली, हे अत्याचारी, गौरवशाली, अहाँक इच्छाक विरुद्ध गौरवशाली ओ वरदान अछि जे अहाँ हमरा दैत छी, जाहि सँ हम आओर बेसी सम्मानजनक यातनाक माध्यमे व्यवस्थाक प्रति अपन निष्ठा देखाबय मे सक्षम छी। ४ मक्काबी ५:५१

तोहर जेठका बच्चा, भूत छोड़ि, तोहर संकल्प मे कोनो परिवर्तन नहि केलक, आ ने तोहर दोसर, अपन यातनाक नीचाँ तोरा दिस दयाक आँखि सँ तकैत, आ ने तोहर तेसर, अपन आत्मा केँ साँस लैत। 4 मक्काबी 7:13

चारिम गंधक इन्द्रिय, जकरा संग हवा आ साँस खींचबाक लेल स्वाद देल जाइत अछि । रूबेन 1:17 के नियम

कारण भगवान् सब किछु केँ अपन क्रम मे नीक बनौलनि, माथ मे पाँच इन्द्रिय, आ ओ गर्दन पर माथ सँ जोड़ि देलनि, ओहि मे केश सेहो जोड़ि देलनि, सुन्दरता आ महिमा लेल, तखन बुझबाक लेल हृदय, मल-मूत्र लेल पेट, आ पीसबाक लेल पेट, साँस लेबय लेल पवनक नली, क्रोध लेल यकृत, कटुताक लेल पित्त, हँसी लेल प्लीहा, हँसीक लेल लगाम विवेक, शक्ति के लेल कमर के मांसपेशी, अंदर खींचय लेल फेफड़ा, ताकत के लेल कमर आदि। नफ्ताली 1:20 के नियम